

# Om Jai Shiv Omkara

[shivaartilyrics.com](http://shivaartilyrics.com)

ॐ जय शिव ओंकारा स्वामी जय शिव ओंकारा ।  
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव अर्द्धांगी धारा ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

एकानन चतुरानन पंचानन राजे ।  
हंसानन गरुडासन वृषवाहन साजे ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज अति सोहे ।  
त्रिगुण रूपनिरखता त्रिभुवन जन मोहे ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

अक्षमाला बनमाला रुण्डमाला धारी ।  
चंदन मृगमद सोहै भाले शशिधारी ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे ।  
सनकादिक गरुणादिक भूतादिक संगे ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

कर के मध्य कमंडलु चक्र त्रिशूल धर्ता ।  
जगकर्ता जगभर्ता जगसंहारकर्ता ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका ।  
प्रणवाक्षर मध्ये ये तीनों एका ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

काशी में विश्वनाथ विराजत नन्दी ब्रह्मचारी ।  
नित उठि भोग लगावत महिमा अति भारी ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

त्रिगुण शिवजीकी आरती जो कोई नर गावे ।  
कहत शिवानन्द स्वामी मनवांछित फल पावे ॥  
॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

[shivaartilyrics.com](http://shivaartilyrics.com)